THE PIONEER PAGE 3

NEP to empower world's largest school-going population: Trivedi

PNS ■ LUCKNOW

Dr Trivedi announced to donate Rs 50 lakh for a new institute of molecular biology and infectious diseases at Lucknow University from the MP Local Area Development Fund allotted to him

The new education policy (NEP-2020) has been framed with the purpose of empowering the largest school-going population in the world.

This was stated by Rajya Sabha member Dr Sudhanshu Trivedi in an online lecture organised by Lucknow University.

Dr Trivedi announced to donate Rs 50 lakh for a new institute of molecular biology and infectious diseases at Lucknow University from the MP Local Area Development Fund allotted to him.

He said the NEP-2020 was the result of a massive drive of consultation and suggestions from the representatives of the entire country, including 676 districts, 6,600 blocks and almost 2.5 lakh villages.

"It's purpose is to motivate better research as well as research orientation. The NEP-2020 is designed to take care of students' personality development, devoid of the fear of passing or failing examinations, during the first five years of the 5+3+3+4 model," he said.

Trivedi said that for the first time, in the his first stage, tribal schools, anganwadi schools and other small-scale schools would be integrated under one umbrella.

In the next stages, the student will hone their skills, be abreast of new techniques developing in the world and develop environmental responsibility and commitment, he added. The Rajya Sabha member also recounted the importance of the last stage, the one that ensures that students achieve a certificate, diploma or a degree depending on which year they decide to leave their studies. Dr Trivedi also spoke of how the NEP-2020 removed the existing segmentation between different streams with the introduction of "ample scope of switching over from one stream to another".

He also spoke of "gradual autonomy" to institutions performing better with every year, and standardisation of rules related to recruitment and movement of teachers within institutes. Dr Trivedi added that the NEP-2020 would bring opportunities for high performing Indian institutes for collaboration with top performing universities of the world.

Talking about tapping the immense resources, the parliamentarian pointed out that the NEP-2020's planned to use retired and outstanding faculty as mentors and guides of the new and upcoming universities. Giving the example of Princeton University, Dr Trivedi said that the new education policy would work towards the development of an idea bank where in ideational output of such scholars could be stored.

He also highlighted the NEP-2020's focus on developing a sense of pride in one's mother tongue and the importance it gave to regional languages. Lucknow University Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai welcomed the dynamic leader and introduced him to the feats achieved by the university in the past few months, specially during the coronavirus crisis that the nation was facing.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि को मिली 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता

वेबिनार में इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस मॉलीक्यूलर जेनेटिक्स के लिए सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने की घोषणा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस मॉलीक्यूलर जेनेटिक्स के लिए 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता मिली है। सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने विवि द्वारा शनिवार को नई शिक्षा नीति पर आधारित ऑनलाइन कार्यक्रम के दौरान यह घोषणा की। विवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने आर्थिक घोषणा के लिए सांसद को धन्यवाद दिया है। लविवि ने शोध के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस मॉलीक्यूलर जेनेटिक्स और इंस्टीट्यूट ऑफ नैनो साइंस के नाम से दो शोध संस्थान स्थापित करने की घोषणा की थी, जिसके लिए वित्तीय सहायता तलाश की जा रही थी। सांसद द्वारा वित्तीय सहायता मिलने के बाद एक संस्थान की स्थापना का रास्ता साफ हो गया है। इन सेंटर स्थापना का मकसद नये पाठ्यक्रमों के संचालन के साथ ही उन्नत शोध करना है।

शैक्षणिक संस्थानों के मार्गदर्शक के रूप में नजर आएंगे अनुभवी शिक्षक

डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने नई शिक्षा नीति पर विस्तार से बात की। सेवानिवृत्त और अनुभवी शिक्षकों को नए और उभरते शिक्षा संस्थानों के मार्गदर्शक के रूप में कार्यरत करने की योजना की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रिंसटन विश्वविद्यालय की तरह नई शिक्षा नीति एक 'आइडिया बैंक' के विकास की दिशा में काम करेगी, जहां ऐसे विद्वानों के आदर्श उत्पादन को संग्रहीत किया जा सकेगा। उन्होंने नई शिक्षा नीति में भारत की अनेकों मातृभाषाओं के वक्ताओं में इनके प्रति गर्व की भावना विकसित करने और क्षेत्रीय भाषाओं को दिए जाने वाले महत्व पर भी प्रकाश डाला। डॉ. त्रिवेदी ने लखनऊ विश्वविद्यालय के साथ अपने संबंधों को याद करते हुए अपना संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कि भारत में विश्व की सबसे ज्यादा जनसंख्या विद्यालयों में अध्ययनरत है। इसी आबादी को सशक्त बनाने के उद्देश्य से नई नीति तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि पहली बार, इस पहले चरण में, आदिवासी स्कूलों, आंगनबाड़ी स्कूलों और अन्य छोटे पैमाने के स्कूलों को एक छत्र के नीचे एकीकृत किया जाएगा। छात्र को 'फ्लेक्सिबिलिटी' दी जा रही है इससे वह अपने जीवन और अपने कैरियर के हिसाब से प्रमाण पत्र, डिप्लोमा या डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अजय प्रकाश ने किया और आईक्यूएसी निदेशक प्रो. राजीव मनोहर ने धन्यवाद दिया।

लविवि : बीए का रिजल्ट जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीए द्वितीय सेमेस्टर का रिजल्ट शनिवार को जारी कर दिया है। विद्यार्थी परिणाम विवि की वेबसाइट पर देख सकते हैं। परीक्षा में 20 हजार 300 विद्यार्थी शामिल थे, जिसमें से 18 हजार 800 का सत्यापन हुआ था। 1500 का सत्यापन न होने की वजह से उनका रिजल्ट घोषित नहीं किया गया है।

एलयू : परीक्षा के लिए छात्रावास में रह सकेंगे छात्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की अन्तिम वर्ष की परीक्षाएं आगामी 7 सितम्बर से शुरू हो रही हैं। इस दौरान छात्रों को छात्रावास में रहने का मौका मिलेगा। इस संबंध में विश्वविद्यालय ने शनिवार को दिशा निर्देश जारी किए हैं। एलयू के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि परीक्षा से एक सप्ताह पहले यानी एक सितंबर से हॉस्टल आने की अनुमित है। छात्रों को कोविड-19 से बचाव से संबंधित सभी दिशा-निर्देश अनिवार्य रूप से मानने होंगे। छात्रावासों का सैनिटाइजेशन और छात्रों की थर्मल स्कैनिंग नियमित रूप से कराई जाएगी। छात्र हॉस्टल से बाहर केवल परीक्षा देने जा सकते हैं। इसके अलावा कहीं भी बाहर जाने पर पूर्णता रोक रहेगी।

HINDUSTAN PAGE 6

नई शिक्षा नीति से मिलेगी तनावमुक्त शिक्षा: सुधांशु

व्याख्यान

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का उद्देश्य छात्रों को सिर्फ किताबी ज्ञान देना नहीं बल्कि व्यक्तित्व विकास है। जो 5 + 3 + 3 + 4 मॉडल के पहले पांच वर्षों के दौरान परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने या असफल होने के डर से रहित है। यह कहना है राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी का।

वह शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान में बोल रहे थे। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि पहली बार इस पहले चरण में, आदिवासी स्कूलों, आंगनवाड़ी और अन्य छोटे पैमाने के स्कूलों को एक छत्र के नीचे एकीकृत किया जाएगा। अगले दो (3+3) चरणों में छात्र अपना कौशल निखारेंगे। दुनिया में विकसित होने वाली नई तकनीकों और पर्यावरणीय जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता का विकास करेंगे।

छात्र को 'फ्लेक्सिबिलिटी' दी जा रही है कि वह अपनी जीवन और अपने कॅरियर की जरूरतों के हिसाब से इस चरण पर एक प्रमाण पत्र, डिप्लोमा या एक डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।

सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि एनईपी 2020 विभिन्न धाराओं के बीच मौजूदा विभाजन को हटा रहा है। एक धारा से दूसरी धारा में स्विच करने का विकल्प दे रहा है। यह दुनिया के सबसे अच्छे विश्वविद्यालयों के साथ काम करने का अवसर भारत के विश्वविद्यालयों को देगा।

एलयू में आयोजित ऑनलाइन सेमिनार में बोले सांसद सुधांशु त्रिवेदी

लैब के लिए दिए 50 लाख रुपये

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के अनुरोध पर डॉ. त्रिवेदी ने सांसद निधि के तहत एक नए संस्थान 'इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड मोलेकूलर गेनेटिक्स एंड इफिशियस डिसीज की लैब के लिए 50 लाख रुपये देने की घोषणा की। इस संस्थान में कोरोना जैसी महामारी पर शोध कार्य किए जाएंगे।

एलयू में हुए ऑनलाइन व्याख्यान में बोले डॉ. सुधांशु त्रिवेदी

NBT PAGE 8

'व्यक्तित्व विकास के लिए बनाई गई नई शिक्षा नीति'

■ एनबीटी, लखनऊ: 'नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति दुनिया की सबसे बड़ी स्कूल जाने वाली आबादी को सःशक्त बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसके अलावा बेहतर अनुसंधान के साथ अनुसंधान अभिविन्यास को भी प्रेरित करना है।' यह बात सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने लखनऊ विश्वविद्यालय में शनिवार को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर हुए ऑनलाइन व्याख्यान में कही।

इस दौरान उन्होंने सांसद निधि से एक नए संस्थान आण्विक जीवविज्ञान और संक्रामक रोगों के लिए 50 लाख रुपये के अनुदान देने की घोषणा की।

कार्यक्रम में डॉ. त्रिवेदी ने बताया कि नई शिक्षा नीति स्टूडेंट्स के व्यक्तित्व विकास के लिए डिजाइन की गई है, जो पहले 5 वर्षों के दौरान परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने या असफल होने के डर से रहित है। कार्यक्रम का संचालन डॉ अजय प्रकाश ने किया।

एलयू: हॉस्टल स्टूडेंट्स के लिए गाइडलाइंस जारी

हॉस्टल के बाहर जाने पर रोक

■ एनबीटी, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने परीक्षाओं और कोरोना से बचाव को लेकर हॉस्टल स्टूडेंट्स के लिए गाइडलाइंस जारी कर दी हैं। प्रस्तावित परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार, 7 सितंबर से फाइनल इयर की परीक्षाएं शुरू होनी हैं।

इसका रखना होगा ध्यान

■ वॉर्डन को अपने आने की तारीख के बारे में एक सप्ताह पहले बताना होगा। ■ हॉस्टलों का सैनिटाइजेशन और स्टूडेंट्स की थर्मल स्कैनिंग होगी। ■ स्टूडेंट्स के पास मास्क, हैंड सैनिटाइजर और ग्लव्स होने चाहिए। ■ निजी आवश्यकता का सामान और दवाइयां साथ लाना होगा। ■ हॉस्टल से बाहर केवल परीक्षा देने जाने की इजाजत होगी।

JANSANDESH TIMES PAGE 3

नई शिक्षा नीति से खुलेंगे रास्ते, बच्चों को मिलेगी तनावमुक्त शिक्षा

लखनऊ। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का उद्देश्य छात्रों को सिर्फ किताबी ज्ञान देना नहीं बल्कि व्यक्तित्व विकास है। जो 5 + 3 + 3 + 4 मॉडल के पहले पांच वर्षों के दौरान परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने या असफल होने के डर से रहित है। यह कहना है राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी का। वह शनिवार को लखनऊ विवि की ओर से नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान में बोल रहे थे। पहली बार, इस पहले चरण में आदिवासी स्कूलों, आंगनवाड़ी स्कूलों और अन्य छोटे पैमाने के स्कूलों को एक छत्र के नीचे एकीकृत किया जाएगा। अगले दो (3+3) चरणों में, छात्र अपने कौशल को निखारेंगे, दुनिया में विकसित होने वाली नई तकनीकों और पर्यावरणीय जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता का विकास करेंगे। छात्र को 'फ्लेक्सिबिलिटी' दी जा रही है कि वह अपनी जीवन और अपने कैरियर की जरूरतों के हिसाब से इस चरण पर एक प्रमाण पत्र, डिप्लोमा या एक डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सांसद का स्वागत किया। सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि एनईपी 2020 विभिन्न धाराओं के बीच मौजूदा विभाजन को हटा रहा है। एक धारा से दूसरी धारा में स्विच करने का विकल्प दे रहा है। यह दुनिया के सबसे अच्छे विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर काम करने का भारत के विश्वविद्यालयों के लिए अवसर दे रहा है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के अनुरोध पर डॉ. त्रिवेदी ने सांसद निधि के तहत एक नए संस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड मोलेकूलर गेनेटिक्स एंड इन्फेशीयस डिसिजेस' के लैब के लिए 50 लाख रुपये देने की घोषणा की। इस संस्थान में कोरोना जैसी महामारी पर शोध कार्य किए जाएंगे।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

एनईपी का उद्देश्य छात्रों का व्यक्तित्व विकास : सुधांशु

सांसद निधि से लैब के लिए देंगे 50 लाख, लविवि में एनईपी पर ऑनलाइन लेक्चर संपन्न

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि की ओर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान में शनिवार को नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने व्याख्यान दिया। साथ ही सांसद निधि के तहत एक नये संस्थान 'इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड मोलेकूलर गेनेटिक्स एंड इंफेक्शीयस डिसिजेस' के लैब के लिए 50 लाख रुपये देने की घोषणा की।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सांसद का स्वागत किया और उन्हें लखनऊ विश्वविद्यालय के पिछले कुछ महीनों के कार्यों और कोरोना महामारी के दौरान उठाये गये शैक्षिक, सामाजिक और उन्मेशिक गतिविधियों से अवगत करवाया। इस दौरान उन्होंने लखनऊ में अपने समय और एक शताब्दी सम्पन्न इतिहास युक्त इस विवि के साथ अपने संबंधों को याद करते हुए अपना संबोधन शुरू किया। डॉ. त्रिवेदी ने जूम के दर्शकों और इस कार्यक्रम को यूट्यूब पर लाइव देख रहे लोगों को सूचित किया कि भारत में विश्व में सबसे ज्यादा जनसंख्या विद्यालयों में अध्ययनरत है और एनईपी इसी आबादी को सशक्त बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि एनईपी पूरे देश के प्रतिनिधियों के परामर्श और सुझावों के एक बड़े पैमाने पर ड्राइव का परिणाम है, जिसमें 676 जिलें, 6600 ब्लॉक और लगभग 2.5 लाख गांव शामिल हैं। इसका उद्देश्य बेहतर शोध के साथ-साथ ग्रास-रूट लेवल में बच्चों को अध्ययन में रुचि के प्रति प्रेरित करना है। एनईपी 2020 का एक मूल्य उद्देश्य छात्रों का व्यक्तित्व विकास है, जो 5 + 3 + 3 + 4 मॉडल के पहले पांच वर्षों के दौरान परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने या असफल होने के डर से रहित है।

उन्होंने कहा कि पहली बार इस पहले चरण में, आदिवासी स्कूलों, आंगनवाड़ी स्कूलों और अन्य छोटे पैमाने के स्कूलों को एक छत्र के नीचे एकीकृत किया जावेगा। अगले दो (3+3) चरणों में, छात्र अपने कौशल को निखारेंगे, दुनिया में विकसित होने वाली नई तकनीकों और पर्यावरणीय जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता का विकास करेंगे। उन्होंने अंतिम चरण के महत्व के बारे में भी बात की और कहा कि यह सुनिश्चित करता है कि छात्र को 'फ्लेक्सिबिलिटी' दी जा रही है कि वह अपनी जीवन और अपने कैरियर की जरूरतों के हिसाब से इस चरण पर एक प्रमाण पत्र, डिप्लोमा या एक डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।

बेहतर प्रदर्शन करने वाले संस्थानों को मिलेगी क्रमिक स्वायत्तता : डॉ. त्रिवेदी ने यह भी बताया कि कैसे एनईपी 2020 विभिन्न धाराओं के बीच मौजूदा विभाजन को हटा रहा है और एक धारा से दूसरी धारा में स्विच करने के स्कोप को बढ़ा रहा है। उन्होंने हर साल बेहतर प्रदर्शन करने वाले संस्थानों को क्रमिक स्वायत्तता देने की बात कही और संस्थानों के भीतर शिक्षकों की भर्ती से संबंधित नियमों का मानकीकरण को भी एनईपी 2020 का भाग बताया। उन्होंने कहा कि एनईपी दुनिया के सबसे अच्छे विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर काम करने का भारत के विश्वविद्यालयों के लिए अवसर लाता है।

आइडिया बैंक किया जायेगा तैयार : डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने सेवानिवृत्त और अनुभवी शिक्षकों को नये और उभरते शिक्षा संस्थानों के मार्गदर्शक के रूप में कार्यरत करने की योजना की ओर इशारा करते हुए कहा कि प्रिंसटन विवि की तरह नई शिक्षा नीति एक आइडिया बैंक के विकास की दिशा में काम करेगी। जहां ऐसे विद्वानों के आदर्श उत्पादन को संग्रहीत किया जा सकेगा।

उन्होंने एनईपी 2020 के भारत की अनेकों मातृभाषाओं के वक्ताओं में इनके प्रति गर्व की भावना विकसित करने और क्षेत्रीय भाषाओं को दिये जाने वाले महत्व पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अजय प्रकाश ने किया और आईक्यूएसी निदेशक प्रो. राजीव मनोहर ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

DAINIK JAGRAN PAGE 4

देश को सशक्त बनाएगी नई शिक्षा नीति : डॉ. सुधांशु

50 लाख रुपये संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए देने की घोषणा

जासं, लखनऊ : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के जरिये देश को सशक्त बनाने का प्रयास किया गया है। ये नीति देश के प्रतिनिधियों से व्यापक विमर्श के बाद तैयार की गई है। इनमें 676 विक्षेप, 6600 ब्लॉक और लगभग 2.5 लाख गांव शामिल हैं।

ये बातें सांसद डॉ सुधांशु त्रिवेदी ने कहीं। वे शनिवार को लविवि में नई शिक्षा नीति पर आयोजित व्याख्यान को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। डॉ त्रिवेदी ने कहा कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए इसे डिजाइन किया गया है। ये नीति पहले पांच वर्षों के दौरान परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने या असफल होने के डर से रहित है। पहले चरण में आदिवासी स्कूलों, आंगनबाड़ी और अन्य छोटे स्कूलों को एकीकृत किया जाएगा। अगले चरण में छात्र अपने कौशल को बेहतर बनाएंगे। अंतिम चरण में छात्र एक प्रमाणपत्र, डिप्लोमा या एक डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में डॉ त्रिवेदी ने अपनी सांसद निधि से आणविक जीव विज्ञान संस्थान और संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए 50 लाख रुपये के अनुदान की घोषणा की।

i-NEXT PAGE 4

संक्रामक रोगों के खिलाफ एलयू ठोकेगा ताल

राज्यसभा सासंद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने इंस्टीट्यूट के स्थापना के लिए दिए 50 लाख रुपए

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (22 Aug): लखनऊ यूनिवर्सिटी में जल्द एक नए इंस्टीट्यूट की स्थापना की जाएगी, जिसमें यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर जेनेटिक बीमारियों के साथ संक्रामक रोगों पर रिसर्च करेंगे. इसके लिए राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी की ओर से 50 लाख का बजट दिया गया है. इस बजट से ही जुलॉजी विभाग में इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस मोलेकूलर गेनेटिक्स एंड इंफेसीयस डिजीज की स्थापना होगी.

की जा रही थी डिमांड

एलयू के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि कोरोना शुरू होने के साथ ही एलयू में इस तरह के रिसर्च इंस्टीट्यूट की डिमांड होने लगी थी. एलयू ने अपने यहां कोरोना टेस्ट शुरू करने की बात की थी, लेकिन जरूरी संसाधन न होने से यह न हो सका. इस इंस्टीट्यूट की स्थापना होने के साथ ही यूनिवर्सिटी इस तरह के संक्रामक रोगों के साथ जेनेटिक रोगों पर रिसर्च कर सकेगा. यह इंस्टीट्यूट जूलॉजी डिपार्टमेंट के अंतर्गत होगा.

CONCEPT PIC

सशक्त बनाना है

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर ऑनलाइन व्याख्यान देते हुए डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने शनिवार को कहा कि इसे दुनिया की सबसे बड़ी स्कूल जाने वाली आबादी को सशक्त बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है. इसका उद्देश्य बेहतर अनुसंधान के साथ अनुसंधान अभिविन्यास को प्रेरित करना है. ये नीति पहले पांच वर्षों के दौरान परीक्षाओं में पास होने या असफल होने के डर से रहित है.

एक सितंबर से खुल जाएंगे हॉस्टल, सात को पहला पेपर

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने फाइनल ईयर के एग्जाम को लेकर जारी की गाइडलाइन

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (22 Aug): लखनऊ यूनिवर्सिटी में फाइनल ईयर के एग्जाम को लेकर हॉस्टल खोलने के लिए गाइडलाइन जारी कर दी गई है. इसी को फालो कर स्टूडेंट्स हॉस्टल में रुक कर अपने एग्जाम दे सकते हैं. फाइनल ईयर के एग्जाम सात सितंबर से प्रस्तावित हैं. एलयू प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि स्टूडेंट्स को एग्जाम से एक वीक पहले यानि एक सितंबर से हॉस्टल आने की अनुमित है. हालांकि इन स्टूडेंट्स को इन कोविड 19 की गाइडलाइन्स को फॉलो करना होगा.

यह है गाइडलाइन्स

- स्टूडेंट्स को हॉस्टलो के वार्डन को अपने आने की डेट के बारे में एक वीक पहले ही सूचना देनी होगी.
- कोविड 19 से बचाव से संबंधित दिशा-निर्देश अनिवार्य रूप से मान्य होंगे.
- हॉस्टलो का सेनेटाइजेशन और स्टूडेंट्स की थर्मल स्क्रीनिंग नियमित रूप से कराई जाएगी.
- स्टूडेंट्स के पास अपने निजी प्रयोग के लिए अपने मास्क, हैंड सेनेटाइजर और दस्ताने होने चाहिए.
- स्टूडेंट्स को अपनी निजी आवश्यकता का सामान, दवाइयां एवं अन्य दैनिक आवश्यकता का सामान लेकर आना होगा.
- स्टूडेंट्स हॉस्टल से बाहर केवल एग्जाम देने जा सकते हैं. इसके अलावा कहीं भी बाहर जाने पर पूर्णता रोक रहेगी.
- किसी भी बाहरी व्यक्ति का हॉस्टल परिसर में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा. यदि इस संबंध में कोई शिकायत प्राप्त होती है, तो संबंधित स्टूडेंट पर कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी.